Teachingninja.in

Latest Govt Job updates

Private Job updates

Free Mock tests available

Visit - teachingninja.in

JSSC
Lab Asst.

Previous Year Paper
06 Aug, 2023 Shift 1

Teachingninja.in

Roll No: Name

Exam Code :LH_PI_GEN_S7 Exam Date : 06-08-2023

Version:MASTER Exam Time : 09:30 - 12:30

Question No. 1

'Kalamkari' is an ancient style of hand painting done on ________ with a tamarind pen, using natural dyes.

A)Wood B)Rock

C)Fabric D)Paper

'कलमकारी' प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हुए इमली की कलम से ________ पर हाथ से की जाने वाली चित्रकला की एक प्राचीनतम शैली है।

A)लकड़ी B)पत्थर

C)कपड़े D)कागज़

Answer Key : C

Question No. 2

The first train in India ran between-

A)Delhi and Bombay B)Delhi and Madras

C)Bombay and Thane D)Bombay and Pune

भारत में पहली ट्रेन किन स्टेशनों के बीच चली थी?

A)दिल्ली और बंबई B)दिल्ली और मद्रास

C)बंबई और ठाणे D)बंबई और पुणे

Answer Key : C

Question No. 3

A/an _________ is a pointing and drawing device shaped like a pen and is used on a touchscreen.

A)Cursor B)Flag

C)Index D)Stylus

________ एक पेन जैसे आकार वाला पॉइंटिंग और ड्राइंग डिवाइस है जिसका उपयोग टच स्क्रीन पर किया जाता है।

A)कर्सर B)फ्लैग

C)इंडेक्स D)स्टाइलस

Answer Key : D

Question No. 4

India's Fourth Five-Year Plan spanned which of these years?

A)1939-1944 B)1949-1954

C)1969-1974 D)1979-1984

इनमें से किन वर्षों के बीच चौथी पंचवर्षीय योजना भारत में लागू की गई थी?

A)1939-1944 B)1949-1954

C)1969-1974 D)1979-1984

Answer Key : C

Question No. 5

Which Jharkhand teacher was awarded The National Award to Teachers for the year 2019?

Teachingninja.in

A)Makar Dhwaja Darogha

B)Sandhya Pradhan

C)Ashok Bhagat

D)Mukund Nayak

झारखण्ड के किस शिक्षक को वर्ष 2019 के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया?

A)मकर ध्वज दरोगा

B)संध्या प्रधान

C)अशोक भगत

D)मुकुंद नायक

Answer Key : B

Question No. 6

Larai is the other name for-

A)Tana Bhagat movement

B)Sardari agitation

C)Tamar revolt

D)Kherwar revolt

लराई (Larai) का दूसरा नाम क्या है?

A)ताना भगत आंदोलन (movement)

B)सरदारी आंदोलन (agitation)

C)तमाड़ विद्रोह

D)खेरवार विद्रोह

Answer Key : B

Question No. 7

The hexadecimal number system uses a base of-

A)4

B)8

C)9

D)16

हेक्साडेसिमल संख्या प्रणाली किस आधार का उपयोग करती है?

A)4

B)8

C)9

D)16

Answer Key : D

Question No. 8

Which device is used to connect one network with another network that uses different protocols?

A)Hub

B)Router

C)Switch

D)Gateway

एक नेटवर्क को दूसरे नेटवर्क से जोड़ने के लिए किस डिवाइस का उपयोग किया जाता है जो विभिन्न प्रोटोकॉल का उपयोग करता है?

A)हब

B)राऊटर

C)स्विच

D)गेटवे

Answer Key : D

Question No. 9

Which of the following protocols is used for sending e-mail?

A)FTP

B)HTTP

C)SMTP

D)IP

निम्नलिखित में से कौन-सा प्रोटोकॉल ई-मेल भेजने के लिए प्रयोग किया जाता है?

A)FTP

B)HTTP

C)SMTP

D)IP

Answer Key : C

Teachingninja.in

Question No. 10

Navratangarh in the Gumla district was the capital of which of the following rulers?

A)Nagavanshi B)Mughal

C)Guptas D)Mauryas

गुमला जिले का नवरतनगढ़ किस शासक की राजधानी थी?

A)नागवंशी B)मुगल

C)गुप्त D)मौर्य

Answer Key : A

Question No. 11

Which festival of Jharkhand is purely dedicated to the love and affection between brothers and sisters?

A)Sarhul B)Jitiya Bhaiya Dooj

C)Chhath Puja D)Basant Panchami

झारखण्ड का कौन-सा त्योहार ब्रदर्स एंड सिस्टर्स के पवित्र प्यार और स्नेह से संबंधित है?

A)सरहुल B)जीतिया भैया दूज

C)छठ पूजा D)बसंत पंचमी

Answer Key : B

Question No. 12

Which of the following is a tribal festival of Jharkhand associated with the wellbeing of the environment as well as with agricultural prosperity?

A)Sarhul B)Jatra

C)Khaddi D)Karam

निम्नलिखित में से कौन-सा झारखण्ड का एक आदिवासी त्योहार है जो पर्यावरण की भलाई के साथ-साथ कृषि समृद्धि से भी जुड़ा है?

A)सरहूल B)जात्रा

C)खद्दी D)करम

Answer Key : D

Question No. 13

Samudra Shakti-23 is a bilateral exercise between India and _________ concluded in May 2023.

A)Indonesia B)Vietnam

C)Singapore D)Thailand

समुद्र शक्ति-23, भारत और _________ के बीच एक द्विपक्षीय अभ्यास है जो मई 2023 में संपन्न हुआ।

A)इंडोनेशिया B)वियतनाम

C)सिंगापुर D)थाईलैंड

Answer Key : A

Question No. 14

Jharkhand's forest department, JSPCB and CEED-NGO jointly organized 'Mission LiFE' as a run-up to the 'World Environment Day' which is celebrated every year on-

A)5th of April B)5th of June

C)25th of March D)6th of May

Teachingninja.in

झारखण्ड के वन विभाग, JSPCB और CEED-NGO ने संयुक्त रूप से 'विश्व पर्यावरण दिवस' के लिए 'मिशन लाइफ' करके एक रन-अप का आयोजन किया, जो हर साल _______ को मनाया जाता है।

A)5 अप्रैल
B)5 जून
C)25 मार्च
D)6 मई

Answer Key : B

Question No. 15

When did the Tana Bhagat Movement Start ?

A)1911
B)1919
C)1916
D)1914

ताना भगत आंदोलन का प्रारंभ कब हुआ था?

A)1911
B)1919
C)1916
D)1914

Answer Key : D

Question No. 16

Which district lies to the south of the Ramgarh district in Jharkhand?

A)Ranchi
B)Gaya
C)Hazaribagh
D)Purulia

झारखण्ड में रामगढ़ जिले के दक्षिण में कौन-सा जिला स्थित है?

A)रांची
B)गया
C)हजारीबाग
D)पुरुलिया

Answer Key : A

Question No. 17

Which airport is nearest to the Ramgarh district in Jharkhand?

A)Indira Gandhi International Airport
B)Birsa Munda Airport
C)Chatrapathi Shivaji International Airport
D)Kempegowda International Airport

झारखण्ड में, रामगढ़ जिले के सबसे नजदीक कौन-सा हवाई अड्डा है?

A)इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा
B)बिरसा मुंडा हवाई अड्डा
C)छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा
D)केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

Answer Key : B

Question No. 18

Which district of Jharkhand has the highest percentage of forest cover?

A)Dhanbad
B)Ramgarh
C)Chatara
D)Hazaribagh

झारखण्ड के किस जिले में वन आवरण का प्रतिशत सर्वाधिक है?

A)धनबाद
B)रामगढ़
C)चतरा
D)हजारीबाग

Answer Key : C

Question No. 19

________ in the Ramgarh district is a convergence zone that boasts geological formations indicative of the last massive glacial event to freeze over the Indian subcontinent.

Teachingninja.in

A)Ludhiana
B)Dudhinala
C)Ranchi
D)Asansol

रामगढ़ जिले में ________ एक अभिसरण क्षेत्र है जो भारतीय उपमहाद्वीप पर जमने वाली अंतिम विशाल हिमनदी घटना (event) का संकेत देने वाली भूवैज्ञानिक संरचनाओं का दावा करता है।

A)लुधियाना
B)दुधिनाला
C)रांची
D)आसनसोल

Answer Key : B

Question No. 20

Which district of Jharkhand has the highest sex ratio as of 2011?

A)Ranchi
B)Asansol
C)Khunti
D)West Singhbhum

2011 तक झारखण्ड के किस जिले का लिंगानुपात सबसे अधिक है?

A)रांची
B)आसनसोल
C)खूँटी
D)पश्चिमी सिंहभूम

Answer Key : D

Question No. 21

Which district of Jharkhand recorded the lowest tribal population as of 2011?

A)Ranchi
B)Asansol
C)Khunti
D)Koderma

2011 तक झारखण्ड के किस जिले में सबसे कम आदिवासी आबादी दर्ज की गई?

A)रांची
B)आसनसोल
C)खूँटी
D)कोडरमा

Answer Key : D

Question No. 22

Which is the first mine in India to produce uranium ore at a commercial scale?

A)Jaduguda mine
B)Gogi mine
C)Bodal mine
D)Rohil mine

भारत में व्यावसायिक स्तर पर यूरेनियम अयस्क का उत्पादन करने वाली पहली खदान कौन-सी है?

A)जादूगोड़ा खदान
B)गोगी खदान
C)बोदल खदान
D)रोहिल खदान

Answer Key : A

Question No. 23

In which district of Jharkhand did 'Adani Power Ltd' begin commercial operations of an '800 MW thermal power plant unit' in April 2023?

A)Godda
B)Gumla
C)Simdega
D)Khunti

अप्रैल 2023 में 'अडानी पावर लिमिटेड' ने झारखण्ड के किस जिले में '800 MW थर्मल पावर प्लांट यूनिट' का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया?

A)गोड्डा
B)गुमला

Teachingninja.in

C)सिमडेगा D)खूँटी

Answer Key : A

Question No. 24

Which of the following combinations related to major compositions of Mundari language is INCORRECT?

A)Baj Rahi Bansuri–Jagadish Trigunayat B)Birasa Bhagawan–Sukhdev Bardiyar

C)Changa-Durand–Baldev Munda D)Soso Bonga–Cook Walter

मुंडारी भाषा की प्रमुख रचनाओं से संबंधित निम्नलिखित में से कौन-सा संयोजन गलत है?

A)बज रहि बांसुरी– जगदीश त्रिगुणायत B)बिरसा भगवान– सुखदेव बरदियार

C)चांगा-डूरंड– बलदेव मुंडा D)सोसो बोंगा– कुक वाल्टर

Answer Key : D

Question No. 25

Complete the series.

6, 24, 60, 120, 210, (...)

A)343 B)336

C)300 D)332

श्रेणी को पूरा करें।

6, 24, 60, 120, 210, (...)

A)343 B)336

C)300 D)332

Answer Key : B

Question No. 26

In a row of boys, if Manoj who is tenth from the left and Mohan who is ninth from the right interchange their places, Manoj becomes fifteenth from the left. How many boys are there in the row?

A)18 B)19

C)22 D)23

लड़कों की एक पंक्ति में, यदि मनोज जिसका स्थान बाएँ ओर से दसवां है और मोहन जिसका स्थान दाएँ ओर से नौवां है, आपस में अपना जगह बदल लेते हैं, तो मनोज बाएँ ओर से पंद्रहवें स्थान पर आ जाता है। पंक्ति में कितने लड़के हैं?

A)18 B)19

C)22 D)23

Answer Key : D

Question No. 27

Find the ODD one out from the given options.

A)ILNO B)EHJK

C)BFGM D)PSUV

दिए गए विकल्पों में से असंगत को चुनें।

A)ILNO B)EHJK

C)BFGM D)PSUV

Answer Key : C

Teachingninja.in

Question No. 28

Find the missing group of letters in the following series.

AB, DEF, HIJK, (...), STUVWX

A)MNOPQ
B)LMNOP
C)LMNOK
D)QRSTU

निम्नलिखित श्रेणी में अनुपस्थित अक्षर समूह को ज्ञात कीजिए।

AB, DEF, HIJK, (...), STUVWX

A)MNOPQ
B)LMNOP
C)LMNOK
D)QRSTU

Answer Key : A

Question No. 29

If '×' means '+', '<' means '-', '+' means '÷', '>' means '×', '-' means '=', '÷' means '>' and '=' means '<', then which of the following is true?

A)3 × 4 > 2 - 9 + 3 < 3
B)5 > 2 + 2 ÷ 10 < 4 × 8
C)3 × 2 < 4 = 16 > 2 + 4
D)5 × 3 < 7 ÷ 8 + 4 × 1

यदि '×' का मतलब '+' है, '<' का मतलब '-' है, '+' का मतलब '÷' है, '>' का मतलब '×' है, '-' का मतलब '=' है, '÷' का मतलब '>' है और '=' का मतलब '<' है, तो निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य है?

A)3 × 4 > 2 - 9 + 3 < 3
B)5 > 2 + 2 ÷ 10 < 4 × 8
C)3 × 2 < 4 = 16 > 2 + 4
D)5 × 3 < 7 ÷ 8 + 4 × 1

Answer Key : C

Question No. 30

Manoj walks 45 m towards south, then turns left and starts walking straight till he completes another 25 m. Then he turns right and walks 18 m. Again, he turns right and walks 25 m. How far is he from the starting point?

A)55 m
B)45 m
C)63 m
D)80 m

मनोज, दक्षिण की ओर 45 मीटर चलता है फिर बाएँ मुड़ता है और सीधा चलना शुरू करता है जब तक कि वह दूसरा 25 मीटर पूरा नहीं कर लेता। फिर वह दाएँ मुड़ता है और 18 मीटर चलता है। वह फिर, दाएँ मुड़ता है और 25 मीटर चलता है। वह अपने शुरूआती बिंदु से कितनी दूरी पर है?

A)55 मीटर
B)45 मीटर
C)63 मीटर
D)80 मीटर

Answer Key : C

Question No. 31

Teachingninja.in

In this question, three statements are given followed by four conclusions. Choose the conclusion(s) which best fit(s) logically.

Statements:
1) Some bangles are rings.
2) No ring is paint.
3) Some rings are golds.

Conclusions:
I. No gold is paint.
II. No bangle is gold.
III. Some rings are paints.
IV. All golds are rings.

A)Only conclusions I and III follow
B)Only conclusions I and II follow
C)Only conclusions III and IV follow
D)None of the conclusions follow

इस प्रश्न में, तीन कथनों के बाद चार निष्कर्ष दिए गए हैं। उन निष्कर्ष (षों) को चुनें, जो तार्किक रूप से सर्वाधिक रूप से अनुसरण करते हों।

कथन:
1) कुछ चूड़ियाँ, अंगूठियाँ हैं।
2) कोई अंगूठी, पेंट नहीं हैं।
3) कुछ अंगूठियाँ, सोना हैं।

निष्कर्ष:
I. कोई सोना, पेंट नहीं है।
II. कोई चूड़ी, सोना नहीं है।
III. कुछ अंगूठियाँ, पेंट हैं।
IV. सभी सोना, अंगूठियाँ हैं।

A)केवल निष्कर्ष I और III अनुसरण करते हैं।
B)केवल निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं।
C)केवल निष्कर्ष III और IV अनुसरण करते हैं।
D)कोई भी निष्कर्ष अनुसरण नहीं करता है।

Answer Key : D

Question No. 32

Pointing to a lady, a girl said, "She is the daughter-in-law of the grandmother of my father's only son." How is the lady related to the girl?

A)Daughter
B)Mother
C)Cousin
D)Sister-in-law

एक महिला की ओर इशारा करते हुए, एक लड़की ने कहा, "वह मेरे पिता के इकलौते पुत्र की दादीजी की बहू है।" महिला का लड़की से क्या संबंध है?

A)पुत्री
B)माँ
C)चचेरी बहन
D)ननद

Answer Key : B

Question No. 33

Teachingninja.in

Which of the following will best complete the relationship given below?

DBU : EEZ :: CJH : ?

A)DMN
B)DNM
C)DNN
D)DMM

निम्नलिखित में से कौन-सा नीचे दिए गए संबंध को सबसे अच्छा पूरा करेगा?

DBU : EEZ :: CJH : ?

A)DMN
B)DNM
C)DNN
D)DMM

Answer Key : D

Question No. 34

In a certain code language, 'FIRE' is written as 'DGPC'. When coded, what will be the last letter for 'SHOT'?

A)R
B)S
C)U
D)W

एक निश्चित कूट-भाषा में, 'FIRE' को 'DGPC' के रूप में लिखा जाता है। जब कोडित किया जाता है, तो 'SHOT' के लिए अंतिम अक्षर क्या होगा?

A)R
B)S
C)U
D)W

Answer Key : A

Question No. 35

Scurvy, the symptom of which includes bleeding gums, may be prevented by adding ________ to the diet.

A)Protein
B)Vitamin A
C)Vitamin C
D)Cholesterol

स्कर्वी, जिसके लक्षणों में मसूड़ों से खून आना शामिल है, आहार में __________ को शामिल करके रोका जा सकता है।

A)प्रोटीन
B)विटामिन A
C)विटामिन C
D)कोलेस्ट्रॉल

Answer Key : C

Question No. 36

Amoebiasis causes-

A)Headache and cold
B)Fever
C)Severe cold
D)Dysentery

अमीबियासिस ________ का कारण बनता है।

A)सिरदर्द और जुकाम
B)बुखार
C)तेज जुकाम
D)पेचिश

Answer Key : D

Question No. 37

Insulin is secreted by the-

A)Thyroid
B)Pancreas
C)Pituitary
D)Amygdala

Teachingninja.in

इंसुलिन किसके द्वारा स्रावित होता है?

A)थाइरॉइड

B)अग्न्याशय

C)पीयूषिका

D)प्रमस्तिष्कखंड (अमिगडाला)

Answer Key : B

Question No. 38

Find the value of 1 kW.

A)100 watts

B)1000 watts

C)10 watts

D)10000 watts

---

1 kW का मान ज्ञात कीजिए।

A)100 वाट

B)1000 वाट

C)10 वाट

D)10000 वाट

Answer Key : B

Question No. 39

What is the other name for the eardrum?

A)Pinna

B)Tympanic membrane

C)Cochlea

D)Eustachian tube

ईयरड्रम का दूसरा नाम क्या है?

A)पिन्ना

B)कर्णपटही झिल्ली (Tympanic membrane)

C)कॉक्लिया

D)कंबुकर्णी नली (Eustachian tube)

Answer Key : B

Question No. 40

Which of the following will turn blue litmus red?

A)Vinegar

B)Limewater

C)Baking soda solution

D)Washing soda solution

निम्नलिखित में से कौन-सा नीले लिटमस को लाल कर देगा?

A)सिरका

B)चूने का पानी

C)बेकिंग सोडा घोल

D)वाशिंग सोडा घोल

Answer Key : A

Question No. 41

Natrium is the Latin name of-

A)Nitrogen

B)Neon

C)Sodium

D)Sulphur

नैट्रियम, _________ का लैटिन नाम है।

A)नाइट्रोजन

B)निऑन

C)सोडियम

D)सल्फर

Answer Key : C

Question No. 42

The IUPAC name for CH_3COCH_3 is-

A)Acetone

B)Dimethyl ketone

C)Propanone

D)Propane

Teachingninja.in

CH_3COCH_3 का IUPAC नाम क्या है?

A)एसीटोन

B)डाइमिथाइल कीटोन

C)प्रोपेनॉन (Propanone)

D)प्रोपेन (Propane)

Answer Key : C

Question No. 43

The SI unit of momentum is-

A)kg/s

B)kg m/s

C)kg/m

D)N/m

संवेग का SI यूनिट _____ होता है।

A)kg/s

B)kg m/s

C)kg/m

D)N/m

Answer Key : B

Question No. 44

Which of the following is the colour of nitric acid?

A)Orange

B)Blue

C)Green

D)Colourless

निम्नलिखित में से कौन-सा नाइट्रिक अम्ल का रंग है?

A)नारंगी

B)नीला

C)हरा

D)रंगहीन

Answer Key : D

Question No. 45

Which of the following methods is often called warm boot?

A)Restart

B)Shut down

C)Sleep

D)Hibernate

निम्नलिखित में से किस विधि को अक्सर वार्म बूट कहा जाता है?

A)रीस्टार्ट

B)शट डाउन

C)स्लीप

D)हाइबरनेट

Answer Key : A

Question No. 46

Which of the following is the property of transactions in DBMS?

A)Isolation

B)Atomicity

C)Durability

D)All of the options

निम्नलिखित में से कौन-से DBMS में ट्रांजैक्शनों के गुण हैं?

A)आइसोलेशन

B)एटॉमिसिटी

C)ड्यूरेबिलिटी

D)विकल्पों में से सभी

Answer Key : D

Question No. 47

Which programming language does NOT support multiple inheritance?

A)C++

B)Perl

Teachingninja.in

C)Python

D)Java

इनमें से कौन-सी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज, मल्टीपल इनहेरिटेंस का समर्थन नहीं करती है?

A)C++

B)पर्ल (Perl)

C)पाइथन (Python)

D)जावा (Java)

Answer Key : D

Question No. 48

Which of the following is the time taken to move an access arm to a certain track on a disk?

A)Search Time

B)Seek Time

C)Data Transfer Time

D)Head Switching Time

निम्नलिखित में से कौन-सा एक डिस्क पर एक निश्चित ट्रैक तक एक एक्सेस (access) आर्म को स्थानांतरित करने के लिए लिया जानेवाला टाइम है?

A)सर्च टाइम

B)सीक टाइम

C)डेटा ट्रांसफर टाइम

D)हेड स्विचिंग टाइम

Answer Key : B

Question No. 49

In Java, the 'PreparedStatement' interface is a sub-interface which is used to execute a/an ________ query.

A)Low level

B)Parameterized

C)Executable

D)Simple

जावा में, 'PreparedStatement' इंटरफ़ेस एक सब-इंटरफ़ेस है, जिसका उपयोग एक ___________ क्वेरी को एक्जीक्यूट करने के लिए किया जाता है।

A)लो लेवल (Low level)

B)पैरामीटराइज्ड (Parameterized)

C)एक्जीक्यूटेबल (Executable)

D)सिंपल (Simple)

Answer Key : B

Question No. 50

Which is the most widely used general-purpose network scanner?

A)Network mapper

B)Photo scanner

C)Network adapter

D)Handheld scanner

सबसे व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला सामान्य प्रयोजन नेटवर्क स्कैनर कौन-सा है?

A)नेटवर्क मैपर

B)फोटो स्कैनर

C)नेटवर्क एडाप्टर

D)हैंडहेल्ड स्कैनर

Answer Key : A

Question No. 51

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।
दूध के दाँत न टूटना

A)बहुत सूक्ष्म बात कहना

B)अनुभवहीन होना

C)साफ बात कहना

D)स्पष्ट कह देना

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।
दूध के दाँत न टूटना

A)बहुत सूक्ष्म बात कहना

B)अनुभवहीन होना

C)साफ बात कहना

D)स्पष्ट कह देना

Answer Key : B

Question No. 52

वचन बदलिए:-

घर

A)घरों

B)घरें

C)घर

D)विकल्पों में से कोई नहीं

वचन बदलिए:-

घर

A)घरों

B)घरें

C)घर

D)विकल्पों में से कोई नहीं

Answer Key : A

Question No. 53

निम्न अशुद्ध वाक्य के लिए विकल्पों में से शुद्ध वाक्य को पहचानिए।

आजकल हर चीज़ में से दाम बढ़ रहा है।

A)आजकल हर चीज़ की दाम बढ़ता रहा है।

B)आजकल हर चीज़ से दाम बढ़ता जा रही है।

C)आजकल हर चीज़ का दाम बढ़ता जा रहा है।

D)आजकल हर चीज़ों का दाम अधिक जा रहा है।

निम्न अशुद्ध वाक्य के लिए विकल्पों में से शुद्ध वाक्य को पहचानिए।

आजकल हर चीज़ में से दाम बढ़ रहा है।

A)आजकल हर चीज़ की दाम बढ़ता रहा है।

B)आजकल हर चीज़ से दाम बढ़ता जा रही है।

C)आजकल हर चीज़ का दाम बढ़ता जा रहा है।

D)आजकल हर चीज़ों का दाम अधिक जा रहा है।

Answer Key : C

Question No. 54

लिंग बदलिए:-

गधा

A)गदा

B)गद्दा

C)गदी

D)गधी

लिंग बदलिए:-

गधा

A)गदा

B)गद्दा

C)गदी

D)गधी

Answer Key : D

Question No. 55

निम्नलिखित में से 'उन्मत्त' का सही संधि विच्छेद क्या है?

A)उत् + मत्त

B)उन + मत्त

C)ऊ + मत्त

D)उन + मत

निम्नलिखित में से 'उन्मत्त' का सही संधि विच्छेद क्या है?

A)उत् + मत्त

B)उन + मत्त

C)ऊ + मत्त

D)उन + मत

Answer Key : A

Teachingninja.in

Question No. 56

निम्नलिखित में से 'परमेश्वर' का सही संधि विच्छेद क्या है?

A)परम + एश्वर

B)परम + ईश्वर

C)परम + इश्वर

D)पर + ईश्वर

निम्नलिखित में से 'परमेश्वर' का सही संधि विच्छेद क्या है?

A)परम + एश्वर

B)परम + ईश्वर

C)परम + इश्वर

D)पर + ईश्वर

Answer Key : B

Question No. 57

निम्न शब्द के पर्याय के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

वृक्ष

A)तरु

B)तरुण

C)तरुणा

D)तरुणाई

निम्न शब्द के पर्याय के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

वृक्ष

A)तरु

B)तरुण

C)तरुणा

D)तरुणाई

Answer Key : A

Question No. 58

निम्न शब्द के पर्याय के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

समुद्र

A)समुदी

B)सामुद्रिक

C)रत्नाकर

D)सामुद्रिका

निम्न शब्द के पर्याय के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

समुद्र

A)समुदी

B)सामुद्रिक

C)रत्नाकर

D)सामुद्रिका

Answer Key : C

Question No. 59

निम्न शब्द के विलोम के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

इधर

A)उधर

B)यहाँ

C)वहाँ

D)कहाँ

निम्न शब्द के विलोम के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

इधर

A)उधर

B)यहाँ

C)वहाँ

D)कहाँ

Answer Key : A

Question No. 60

Teachingninja.in

वाक्य का सही क्रम लिखिए।
1) खरगोश शेर से बच निकला।
2) शेर भूख से चिल्लाने लगा।
3) खरगोश ने शेर को दूसरे शेर की बात बताई।
4) अपनी परछाईं को दूसरा शेर मानकर शेर कुएँ में कूद पड़ा।

A)2, 1, 3, 4 B)2, 3, 4, 1
C)3, 4, 2, 1 D)2, 4, 3, 1

वाक्य का सही क्रम लिखिए।
1) खरगोश शेर से बच निकला।
2) शेर भूख से चिल्लाने लगा।
3) खरगोश ने शेर को दूसरे शेर की बात बताई।
4) अपनी परछाईं को दूसरा शेर मानकर शेर कुएँ में कूद पड़ा।

A)2, 1, 3, 4 B)2, 3, 4, 1
C)3, 4, 2, 1 D)2, 4, 3, 1

Answer Key : B

Question No. 61

निम्न में से तत्सम शब्द के उचित विकल्प का चयन करें।
कच्छप

A)मगर B)कछुआ
C)कुत्ता D)बिल्ली

निम्न में से तत्सम शब्द के उचित विकल्प का चयन करें।
कच्छप

A)मगर B)कछुआ
C)कुत्ता D)बिल्ली

Answer Key : B

Question No. 62

निम्न में से तत्सम शब्द के उचित विकल्प का चयन करें।
कटु

A)मीठा B)तीखा
C)चटपटा D)कड़वा

निम्न में से तत्सम शब्द के उचित विकल्प का चयन करें।
कटु

A)मीठा B)तीखा
C)चटपटा D)कड़वा

Answer Key : D

Question No. 63

लिंग बदलिए:-
सत्यवान

A)सत्या B)सत्यवानी
C)सत्यवाननी D)सत्यवती

Teachingninja.in

लिंग बदलिए:-

सत्यवान

A)सत्या

B)सत्यवानी

C)सत्यवाननी

D)सत्यवती

Answer Key : D

Question No. 64

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।

मुट्ठी गरम करना

A)मुक्का मारना

B)रिश्वत देना

C)डराना

D)लड़ने को तैयार रहना

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।

मुट्ठी गरम करना

A)मुक्का मारना

B)रिश्वत देना

C)डराना

D)लड़ने को तैयार रहना

Answer Key : B

Question No. 65

वाक्य का सही क्रम लिखिए।

1) उसी भाषा में सोचा भी जाए

2) यह अपेक्षित होता है कि

3) किसी भी भाषा में

4) अभिव्यक्ति के लिए

A)4, 3, 1, 2

B)3, 4, 2, 1

C)1, 2, 3, 4

D)2, 3, 4, 1

वाक्य का सही क्रम लिखिए।

1) उसी भाषा में सोचा भी जाए

2) यह अपेक्षित होता है कि

3) किसी भी भाषा में

4) अभिव्यक्ति के लिए

A)4, 3, 1, 2

B)3, 4, 2, 1

C)1, 2, 3, 4

D)2, 3, 4, 1

Answer Key : B

Question No. 66

अप्रत्यक्ष वार्ता में लिखिए।

शंकर ने दुकानदार से कहा, "मुझे एक किलो सेब दे दो"।

A)शंकर ने दुकानदार से एक किलो सेब देने को कहा।

B)शंकर ने दुकानदार से कहा कि मुझे एक किलो सेब दे दो।

C)शंकर ने दुकानदार से एक किलो सेब माँगा।

D)शंकर ने कहा मुझे एक किलो सेब दे दो।

अप्रत्यक्ष वार्ता में लिखिए।

शंकर ने दुकानदार से कहा, "मुझे एक किलो सेब दे दो"।

A)शंकर ने दुकानदार से एक किलो सेब देने को कहा।

B)शंकर ने दुकानदार से कहा कि मुझे एक किलो सेब दे दो।

C)शंकर ने दुकानदार से एक किलो सेब माँगा।

D)शंकर ने कहा मुझे एक किलो सेब दे दो।

Answer Key : A

Question No. 67

Teachingninja.in

अप्रत्यक्ष वार्ता में लिखिए।

"रोज एक घंटे व्यायाम किया करो" डॉक्टर ने मरीज से कहा।

A)डॉक्टर ने मरीज से रोज एक घंटे व्यायाम करने को कहा।
B)डॉक्टर ने रोज एक घंटे व्यायाम करने को कहा।
C)डॉक्टर ने मरीज को व्यायाम करने को कहा।
D)रोज एक घंटे व्यायाम करो, डॉक्टर ने मरीज से कहा।

अप्रत्यक्ष वार्ता में लिखिए।

"रोज एक घंटे व्यायाम किया करो" डॉक्टर ने मरीज से कहा।

A)डॉक्टर ने मरीज से रोज एक घंटे व्यायाम करने को कहा।
B)डॉक्टर ने रोज एक घंटे व्यायाम करने को कहा।
C)डॉक्टर ने मरीज को व्यायाम करने को कहा।
D)रोज एक घंटे व्यायाम करो, डॉक्टर ने मरीज से कहा।

Answer Key : A

Question No. 68

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।

अक्ल पर पत्थर पड़ना

A)सोचना
B)सोच नहीं पाना
C)बुद्धि काम न करना
D)सपना देखना

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।

अक्ल पर पत्थर पड़ना

A)सोचना
B)सोच नहीं पाना
C)बुद्धि काम न करना
D)सपना देखना

Answer Key : C

Question No. 69

निम्न अशुद्ध वाक्य के लिए विकल्पों में से शुद्ध वाक्य को पहचानिए।

उसकी तो तकदीर टूट गई।

A)उसकी तो तकदीर फूट गई।
B)उसकी तो तकदीर छूट गई।
C)उसकी तो तकदीर चूट गई।
D)उसकी तो तकदीर फट गई।

निम्न अशुद्ध वाक्य के लिए विकल्पों में से शुद्ध वाक्य को पहचानिए।

उसकी तो तकदीर टूट गई।

A)उसकी तो तकदीर फूट गई।
B)उसकी तो तकदीर छूट गई।
C)उसकी तो तकदीर चूट गई।
D)उसकी तो तकदीर फट गई।

Answer Key : A

Question No. 70

निम्न शब्द के विलोम के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

प्रारंभिक

A)अनन्त
B)शुरुआत
C)अत्यन्त
D)अंतिम

निम्न शब्द के विलोम के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

प्रारंभिक

A)अनन्त
B)शुरुआत
C)अत्यन्त
D)अंतिम

Answer Key : D

Question No. 71

Teachingninja.in

दिए गए वाक्यांश के लिए चार विकल्पों में से उचित एक शब्द को चुनिए।
सदा रहने वाला

A)शाश्वत
B)नाश्वत
C)आश्वत
D)सासवत

दिए गए वाक्यांश के लिए चार विकल्पों में से उचित एक शब्द को चुनिए।
सदा रहने वाला

A)शाश्वत
B)नाश्वत
C)आश्वत
D)सासवत

Answer Key : A

Question No. 72

दिए गए वाक्यांश के लिए चार विकल्पों में से उचित एक शब्द को चुनिए।
जिसके खाने का निषेध हो

A)भक्ष्य
B)अभक्ष्य
C)भक्षी
D)अभक्षी

दिए गए वाक्यांश के लिए चार विकल्पों में से उचित एक शब्द को चुनिए।
जिसके खाने का निषेध हो

A)भक्ष्य
B)अभक्ष्य
C)भक्षी
D)अभक्षी

Answer Key : B

Question No. 73

वचन बदलिए:-
पानी

A)पाना
B)पानी
C)पाने
D)पाणे

वचन बदलिए:-
पानी

A)पाना
B)पानी
C)पाने
D)पाणे

Answer Key : B

Question No. 74

निम्नलिखित सामासिक पद का विग्रह कीजिए।
कमलनयन

A)कमल और नयन
B)कमल के समान नयन
C)कमल के नयन
D)कमल है नयन

निम्नलिखित सामासिक पद का विग्रह कीजिए।
कमलनयन

A)कमल और नयन
B)कमल के समान नयन
C)कमल के नयन
D)कमल है नयन

Answer Key : B

Question No. 75

Teachingninja.in

निम्नलिखित सामासिक पद का विग्रह कीजिए।
शोकमग्न

A)शोक का मन
B)शोक से गगन
C)शोक में मग्न
D)शोक हेतु गगन

निम्नलिखित सामासिक पद का विग्रह कीजिए।
शोकमग्न

A)शोक का मन
B)शोक से गगन
C)शोक में मग्न
D)शोक हेतु गगन

Answer Key : C

Question No. 76

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचनाभरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्‌भुत साहसी युवक था किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।
वामीरो घर पहुँचकर कैसा महसूस कर रही थी?

A)संकुचित
B)आह्लादित
C)असहज
D)संयत

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचनाभरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।
वामीरो घर पहुँचकर कैसा महसूस कर रही थी?

A)संकुचित
B)आहलादित
C)असहज
D)संयत

Answer Key : C

Question No. 77

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचनाभरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्‌भुत साहसी युवक था किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।
गाँव की क्या परंपरा थी?

A)तताँरा जैसे युवक के साथ संबंध-निषेध की।
B)याचक जैसे युवक के साथ संबंध-निषेध की।
C)अपने गाँव के युवक से संबंध-निषेध की।
D)दूसरे गाँव के युवक से संबंध-निषेध की।

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचनाभरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।
गाँव की क्या परंपरा थी?

A)तताँरा जैसे युवक के साथ संबंध-निषेध की।
B)याचक जैसे युवक के साथ संबंध-निषेध की।
C)अपने गाँव के युवक से संबंध-निषेध की।
D)दूसरे गाँव के युवक से संबंध-निषेध की।

Answer Key : D

Question No. 78

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचनाभरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्‌भुत साहसी युवक था किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।
वामीरो की कल्पना वाला तताँरा कैसा था?

A)सभ्य - भोला
B)अद्‌भुत - साहसी
C)सुंदर - सभ्य
D)भोला - शांत

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचनाभरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।
वामीरो की कल्पना वाला तताँरा कैसा था?

A)सभ्य - भोला
B)अद्भुत - साहसी
C)सुंदर - सभ्य
D)भोला - शांत

Answer Key : B

Question No. 79

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचनाभरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्‌भुत साहसी युवक था किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।
'तताँरा से मुक्त होने की झूठी छटपटाहट' का आशय क्या है?

A)वह तताँरा के तौर-तरीके से बहुत अधिक प्रभावित थी।
B)उसे तताँरा के तरीके और बातों पर गुस्सा आ रहा था।
C)वह सचमुच ही तताँरा की यादों से मुक्त होना चाहती थी।
D)सहानुभूति और दिखावे के लिए मुक्त होने का दिखावा करना था।

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर ततॉरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार ततॉरा का याचनाभरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने ततॉरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था किंतु वही ततॉरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।
'ततॉरा से मुक्त होने की झूठी छटपटाहट' का आशय क्या है?

A)वह ततॉरा के तौर-तरीके से बहुत अधिक प्रभावित थी।
B)उसे ततॉरा के तरीके और बातों पर गुस्सा आ रहा था।
C)वह सचमुच ही ततॉरा की यादों से मुक्त होना चाहती थी।
D)सहानुभूति और दिखावे के लिए मुक्त होने का दिखावा करना था।

Answer Key : A

Question No. 80

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर ततॉरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार ततॉरा का याचनाभरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने ततॉरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था किंतु वही ततॉरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।
वामीरो के लिए ततॉरा को भूलना क्यों आवश्यक था?

A)ततॉरा ने उसे गीत गाने को विवश किया था।
B)वह उसके जीवन-साथी की कल्पना पर खरा नहीं था।
C)दूसरे गाँव के युवक से संबंध रखना परंपरा के विरुद्ध था।
D)ततॉरा से मिलकर उसका मन बेचैन हो गया था।

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर ततॉरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार ततॉरा का याचनाभरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने ततॉरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था किंतु वही ततॉरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।
वामीरो के लिए ततॉरा को भूलना क्यों आवश्यक था?

A)ततॉरा ने उसे गीत गाने को विवश किया था।
B)वह उसके जीवन-साथी की कल्पना पर खरा नहीं था।
C)दूसरे गाँव के युवक से संबंध रखना परंपरा के विरुद्ध था।
D)ततॉरा से मिलकर उसका मन बेचैन हो गया था।

Answer Key : C

Question No. 81

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

वृक्षों अथवा वनों को मनुष्य का शाश्वत मित्र कहा जाये तो उचित होगा। ये धरती के जीवन रक्षक हैं। अपने भोजन को बनाते हुए प्राण घातक कार्बन डाईऑक्साइड को लेकर हमें जीवन दायिनी ऑक्सीजन देते हैं। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं लेकिन उसे फलों के रूप में संग्रहित करके हमें लौटा देते हैं। हमारी भूमि को अपनी जड़ों से पकडकर हमें खेती योग्य भूमि की हानि होने से बचाते हैं। इसकी हरीतिमा, मनोहारी दृश्य उपस्थित करती है। इनके सघन कुंज, वन्य जीवन को आवास और सुरक्षा प्रदान करते हैं। वृक्षों से हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं। इनकी पत्तियाँ झड़कर, सड़कर भी पुनः खाद के रूप में उपयोग में आती हैं। वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा वृक्ष हमें अन्न, फल, फूल, जडी-बूटियाँ, ईंधन तथा इमारती लकडियाँ प्रदान करते हैं। वन, वर्षा में सहायक होते हैं, भू-क्षरण को रोकते हैं। रेगिस्तान के प्रसार पर अंकुश लगाते हैं। अनेक उद्योग-धंधे वृक्षों से मिलनेवाले सामग्री पर आधारित होते हैं। प्लाईवुड, कागज, लाख, रेशम, रबड़ जैसे उद्योग-धंधे वृक्षों पर ही आश्रित हैं।

वृक्ष हमें अपना भोजन कैसे लौटाते हैं?

A)फलों के रूप में

B)पत्तों के रूप में

C)कंद के रूप में

D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

वृक्षों अथवा वनों को मनुष्य का शाश्वत मित्र कहा जाये तो उचित होगा। ये धरती के जीवन रक्षक हैं। अपने भोजन को बनाते हुए प्राण घातक कार्बन डाईऑक्साइड को लेकर हमें जीवन दायिनी ऑक्सीजन देते हैं। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं लेकिन उसे फलों के रूप में संग्रहित करके हमें लौटा देते हैं। हमारी भूमि को अपनी जड़ों से पकडकर हमें खेती योग्य भूमि की हानि होने से बचाते हैं। इसकी हरीतिमा, मनोहारी दृश्य उपस्थित करती है। इनके सघन कुंज, वन्य जीवन को आवास और सुरक्षा प्रदान करते हैं। वृक्षों से हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं। इनकी पत्तियाँ झड़कर, सड़कर भी पुनः खाद के रूप में उपयोग में आती हैं। वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा वृक्ष हमें अन्न, फल, फूल, जडी-बूटियाँ, ईंधन तथा इमारती लकडियाँ प्रदान करते हैं। वन, वर्षा में सहायक होते हैं, भू-क्षरण को रोकते हैं। रेगिस्तान के प्रसार पर अंकुश लगाते हैं। अनेक उद्योग-धंधे वृक्षों से मिलनेवाले सामग्री पर आधारित होते हैं। प्लाईवुड, कागज, लाख, रेशम, रबड़ जैसे उद्योग-धंधे वृक्षों पर ही आश्रित हैं।

वृक्ष हमें अपना भोजन कैसे लौटाते हैं?

A)फलों के रूप में

B)पत्तों के रूप में

C)कंद के रूप में

D)विकल्पों में से सभी

Answer Key : D

Question No. 82

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

वृक्षों अथवा वनों को मनुष्य का शाश्वत मित्र कहा जाये तो उचित होगा। ये धरती के जीवन रक्षक हैं। अपने भोजन को बनाते हुए प्राण घातक कार्बन डाईऑक्साइड को लेकर हमें जीवन दायिनी ऑक्सीजन देते हैं। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं लेकिन उसे फलों के रूप में संग्रहित करके हमें लौटा देते हैं। हमारी भूमि को अपनी जड़ों से पकडकर हमें खेती योग्य भूमि की हानि होने से बचाते हैं। इसकी हरीतिमा, मनोहारी दृश्य उपस्थित करती है। इनके सघन कुंज, वन्य जीवन को आवास और सुरक्षा प्रदान करते हैं। वृक्षों से हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं। इनकी पत्तियाँ झड़कर, सड़कर भी पुनः खाद के रूप में उपयोग में आती हैं। वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा वृक्ष हमें अन्न, फल, फूल, जडी-बूटियाँ, ईंधन तथा इमारती लकडियाँ प्रदान करते हैं। वन, वर्षा में सहायक होते हैं, भू-क्षरण को रोकते हैं। रेगिस्तान के प्रसार पर अंकुश लगाते हैं। अनेक उद्योग-धंधे वृक्षों से मिलनेवाले सामग्री पर आधारित होते हैं। प्लाईवुड, कागज, लाख, रेशम, रबड़ जैसे उद्योग-धंधे वृक्षों पर ही आश्रित हैं।

वन्य जीवन से, वृक्षों से क्या लाभ हैं?

A)वन्य पक्षी, वृक्षों पर ही घोंसला बनाते हैं।

B)यहीं वे सुरक्षित रहते हैं।

C)उनका पूरा जीवन वृक्षों पर ही निर्भर है।

D)विकल्पों में से सभी

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

वृक्षों अथवा वनों को मनुष्य का शाश्वत मित्र कहा जाये तो उचित होगा। ये धरती के जीवन रक्षक हैं। अपने भोजन को बनाते हुए प्राण घातक कार्बन डाईऑक्साइड को लेकर हमें जीवन दायिनी ऑक्सीजन देते हैं। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं लेकिन उसे फलों के रूप में संग्रहित करके हमें लौटा देते हैं। हमारी भूमि को अपनी जड़ों से पकडकर हमें खेती योग्य भूमि की हानि होने से बचाते हैं। इसकी हरीतिमा, मनोहारी दृश्य उपस्थित करती है। इनके सघन कुंज, वन्य जीवन को आवास और सुरक्षा प्रदान करते हैं। वृक्षों से हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं। इनकी पत्तियाँ झड़कर, सड़कर भी पुनः खाद के रूप में उपयोग में आती हैं। वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा वृक्ष हमें अन्न, फल, फूल, जडी-बूटियाँ, ईंधन तथा इमारती लकडियाँ प्रदान करते हैं। वन, वर्षा में सहायक होते हैं, भू-क्षरण को रोकते हैं। रेगिस्तान के प्रसार पर अंकुश लगाते हैं। अनेक उद्योग-धंधे वृक्षों से मिलनेवाले सामग्री पर आधारित होते हैं। प्लाईवुड, कागज, लाख, रेशम, रबड़ जैसे उद्योग-धंधे वृक्षों पर ही आश्रित हैं।

वन्य जीवन से, वृक्षों से क्या लाभ हैं?

A)वन्य पक्षी, वृक्षों पर ही घोंसला बनाते हैं।
B)यहीं वे सुरक्षित रहते हैं।
C)उनका पूरा जीवन वृक्षों पर ही निर्भर है।
D)विकल्पों में से सभी

Answer Key : D

Question No. 83

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

वृक्षों अथवा वनों को मनुष्य का शाश्वत मित्र कहा जाये तो उचित होगा। ये धरती के जीवन रक्षक हैं। अपने भोजन को बनाते हुए प्राण घातक कार्बन डाईऑक्साइड को लेकर हमें जीवन दायिनी ऑक्सीजन देते हैं। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं लेकिन उसे फलों के रूप में संग्रहित करके हमें लौटा देते हैं। हमारी भूमि को अपनी जड़ों से पकडकर हमें खेती योग्य भूमि की हानि होने से बचाते हैं। इसकी हरीतिमा, मनोहारी दृश्य उपस्थित करती है। इनके सघन कुंज, वन्य जीवन को आवास और सुरक्षा प्रदान करते हैं। वृक्षों से हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं। इनकी पत्तियाँ झड़कर, सड़कर भी पुनः खाद के रूप में उपयोग में आती हैं। वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा वृक्ष हमें अन्न, फल, फूल, जडी-बूटियाँ, ईंधन तथा इमारती लकडियाँ प्रदान करते हैं। वन, वर्षा में सहायक होते हैं, भू-क्षरण को रोकते हैं। रेगिस्तान के प्रसार पर अंकुश लगाते हैं। अनेक उद्योग-धंधे वृक्षों से मिलनेवाले सामग्री पर आधारित होते हैं। प्लाईवुड, कागज, लाख, रेशम, रबड़ जैसे उद्योग-धंधे वृक्षों पर ही आश्रित हैं।

गिरे हुए पत्तों से क्या लाभ है?

A)पत्ते गिरकर सड़ते हैं और खाद बनते हैं।
B)पत्ते खाने के काम आते हैं।
C)फिर नए पत्ते आते हैं।
D)झड़ने का सिलसिला जारी रहता है।

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

वृक्षों अथवा वनों को मनुष्य का शाश्वत मित्र कहा जाये तो उचित होगा। ये धरती के जीवन रक्षक हैं। अपने भोजन को बनाते हुए प्राण घातक कार्बन डाईऑक्साइड को लेकर हमें जीवन दायिनी ऑक्सीजन देते हैं। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं लेकिन उसे फलों के रूप में संग्रहित करके हमें लौटा देते हैं। हमारी भूमि को अपनी जड़ों से पकडकर हमें खेती योग्य भूमि की हानि होने से बचाते हैं। इसकी हरीतिमा, मनोहारी दृश्य उपस्थित करती है। इनके सघन कुंज, वन्य जीवन को आवास और सुरक्षा प्रदान करते हैं। वृक्षों से हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं। इनकी पत्तियाँ झड़कर, सड़कर भी पुनः खाद के रूप में उपयोग में आती हैं। वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा वृक्ष हमें अन्न, फल, फूल, जडी-बूटियाँ, ईंधन तथा इमारती लकडियाँ प्रदान करते हैं। वन, वर्षा में सहायक होते हैं, भू-क्षरण को रोकते हैं। रेगिस्तान के प्रसार पर अंकुश लगाते हैं। अनेक उद्योग-धंधे वृक्षों से मिलनेवाले सामग्री पर आधारित होते हैं। प्लाईवुड, कागज, लाख, रेशम, रबड़ जैसे उद्योग-धंधे वृक्षों पर ही आश्रित हैं।

गिरे हुए पत्तों से क्या लाभ है?

A)पत्ते गिरकर सड़ते हैं और खाद बनते हैं।
B)पत्ते खाने के काम आते हैं।
C)फिर नए पत्ते आते हैं।
D)झड़ने का सिलसिला जारी रहता है।

Answer Key : A

Question No. 84

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।
वृक्षों अथवा वनों को मनुष्य का शाश्वत मित्र कहा जाये तो उचित होगा। ये धरती के जीवन रक्षक हैं। अपने भोजन को बनाते हुए प्राण घातक कार्बन डाईऑक्साइड को लेकर हमें जीवन दायिनी ऑक्सीजन देते हैं। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं लेकिन उसे फलों के रूप में संग्रहित करके हमें लौटा देते हैं। हमारी भूमि को अपनी जड़ों से पकडकर हमें खेती योग्य भूमि की हानि होने से बचाते हैं। इसकी हरीतिमा, मनोहारी दृश्य उपस्थित करती है। इनके सघन कुंज, वन्य जीवन को आवास और सुरक्षा प्रदान करते हैं। वृक्षों से हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं। इनकी पत्तियाँ झड़कर, सड़कर भी पुनः खाद के रूप में उपयोग में आती हैं। वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा वृक्ष हमें अन्न, फल, फूल, जडी-बूटियाँ, ईंधन तथा इमारती लकडियाँ प्रदान करते हैं। वन, वर्षा में सहायक होते हैं, भू-क्षरण को रोकते हैं। रेगिस्तान के प्रसार पर अंकुश लगाते हैं। अनेक उद्योग-धंधे वृक्षों से मिलनेवाले सामग्री पर आधारित होते हैं। प्लाईवुड, कागज, लाख, रेशम, रबड़ जैसे उद्योग-धंधे वृक्षों पर ही आश्रित हैं।
कौन-कौन से उद्योग, वृक्षों पर आधारित हैं?

A)लोहा और इस्पात
B)सिमेंट
C)बिजली के उपकरण
D)कागज़, लाख, रबड़, प्लाईवुड आदि

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।
वृक्षों अथवा वनों को मनुष्य का शाश्वत मित्र कहा जाये तो उचित होगा। ये धरती के जीवन रक्षक हैं। अपने भोजन को बनाते हुए प्राण घातक कार्बन डाईऑक्साइड को लेकर हमें जीवन दायिनी ऑक्सीजन देते हैं। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं लेकिन उसे फलों के रूप में संग्रहित करके हमें लौटा देते हैं। हमारी भूमि को अपनी जड़ों से पकडकर हमें खेती योग्य भूमि की हानि होने से बचाते हैं। इसकी हरीतिमा, मनोहारी दृश्य उपस्थित करती है। इनके सघन कुंज, वन्य जीवन को आवास और सुरक्षा प्रदान करते हैं। वृक्षों से हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं। इनकी पत्तियाँ झड़कर, सड़कर भी पुनः खाद के रूप में उपयोग में आती हैं। वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा वृक्ष हमें अन्न, फल, फूल, जडी-बूटियाँ, ईंधन तथा इमारती लकडियाँ प्रदान करते हैं। वन, वर्षा में सहायक होते हैं, भू-क्षरण को रोकते हैं। रेगिस्तान के प्रसार पर अंकुश लगाते हैं। अनेक उद्योग-धंधे वृक्षों से मिलनेवाले सामग्री पर आधारित होते हैं। प्लाईवुड, कागज, लाख, रेशम, रबड़ जैसे उद्योग-धंधे वृक्षों पर ही आश्रित हैं।
कौन-कौन से उद्योग, वृक्षों पर आधारित हैं?

A)लोहा और इस्पात
B)सिमेंट
C)बिजली के उपकरण
D)कागज़, लाख, रबड़, प्लाईवुड आदि

Answer Key : D

Question No. 85

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।
वृक्षों अथवा वनों को मनुष्य का शाश्वत मित्र कहा जाये तो उचित होगा। ये धरती के जीवन रक्षक हैं। अपने भोजन को बनाते हुए प्राण घातक कार्बन डाईऑक्साइड को लेकर हमें जीवन दायिनी ऑक्सीजन देते हैं। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं लेकिन उसे फलों के रूप में संग्रहित करके हमें लौटा देते हैं। हमारी भूमि को अपनी जड़ों से पकडकर हमें खेती योग्य भूमि की हानि होने से बचाते हैं। इसकी हरीतिमा, मनोहारी दृश्य उपस्थित करती है। इनके सघन कुंज, वन्य जीवन को आवास और सुरक्षा प्रदान करते हैं। वृक्षों से हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं। इनकी पत्तियाँ झड़कर, सड़कर भी पुनः खाद के रूप में उपयोग में आती हैं। वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा वृक्ष हमें अन्न, फल, फूल, जडी-बूटियाँ, ईंधन तथा इमारती लकडियाँ प्रदान करते हैं। वन, वर्षा में सहायक होते हैं, भू-क्षरण को रोकते हैं। रेगिस्तान के प्रसार पर अंकुश लगाते हैं। अनेक उद्योग-धंधे वृक्षों से मिलनेवाले सामग्री पर आधारित होते हैं। प्लाईवुड, कागज, लाख, रेशम, रबड़ जैसे उद्योग-धंधे वृक्षों पर ही आश्रित हैं।
भू-क्षरण को वृक्ष कैसे रोकते हैं?

A)तनों द्वारा
B)पत्तों द्वारा
C)फूलों द्वारा
D)जड़ों से मिट्टी को पकड़कर

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

वृक्षों अथवा वनों को मनुष्य का शाश्वत मित्र कहा जाये तो उचित होगा। ये धरती के जीवन रक्षक हैं। अपने भोजन को बनाते हुए प्राण घातक कार्बन डाईऑक्साइड को लेकर हमें जीवन दायिनी ऑक्सीजन देते हैं। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं लेकिन उसे फलों के रूप में संग्रहित करके हमें लौटा देते हैं। हमारी भूमि को अपनी जड़ों से पकडकर हमें खेती योग्य भूमि की हानि होने से बचाते हैं। इसकी हरीतिमा, मनोहारी दृश्य उपस्थित करती है। इनके सघन कुंज, वन्य जीवन को आवास और सुरक्षा प्रदान करते हैं। वृक्षों से हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं। इनकी पत्तियाँ झड़कर, सड़कर भी पुनः खाद के रूप में उपयोग में आती हैं। वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा वृक्ष हमें अन्न, फल, फूल, जडी-बूटियाँ, ईंधन तथा इमारती लकडियाँ प्रदान करते हैं। वन, वर्षा में सहायक होते हैं, भू-क्षरण को रोकते हैं। रेगिस्तान के प्रसार पर अंकुश लगाते हैं। अनेक उद्योग-धंधे वृक्षों से मिलनेवाले सामग्री पर आधारित होते हैं। प्लाईवुड, कागज, लाख, रेशम, रबड़ जैसे उद्योग-धंधे वृक्षों पर ही आश्रित हैं।

भू-क्षरण को वृक्ष कैसे रोकते हैं?

A)तनों द्वारा
B)पत्तों द्वारा
C)फूलों द्वारा
D)जड़ों से मिट्टी को पकड़कर

Answer Key : D

Question No. 86

निम्न अनुच्छेद को पढकर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

भूकंप आने का वैज्ञानिक कारण यह है कि पृथ्वी के नीचे चट्टानों के दबाव के रूप में भारी मात्रा में ऊर्जा के अचानक बाहर की ओर निर्गम के कारण भूकंप आता है। इसमें चट्टानों की अचानक हलचल के कारण पृथ्वी की बाह्य सतह में बहुत तेज कंपन होता है। भूकंप की विनाश-क्षमता इसके विस्तार तथा इसकी अवधि पर निर्भर है। भूकंप की तीव्रता को भूकंपमापक यंत्र द्वारा मापा जाता है। भू-गर्भ में जिस स्थान से भूकंप की तरंगें उत्पन्न होती हैं उसे नाभि कहते हैं। नाभि के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर स्थित बिन्दु को अधिकेन्द्र कहते हैं। अधिकतम विनाश अधिकेन्द्र के क्षेत्र में होता है क्योंकि यही वह क्षेत्र है जहाँ भूकंप की तरंगें सर्वाधिक सक्रिय होती हैं। अधिकेन्द्र से जैसे-जैसे हम दूर होते जाएंगे, वैसे-वैसे इसकी तरंगों की प्रगाढ़ता भी घटती जाएगी। इसी प्रकार दूर हटते जाने से विनाश की मात्रा व गंभीरता भी घटती जाएगी।

भूकंप का वैज्ञानिक कारण क्या है?

A)चट्टानों के दबाव के कारण ऊर्जा का अचानक बाहर निकलना।
B)चट्टानों का टूटना।
C)चट्टानों में दरार पड़ना।
D)चट्टानों में तरंगे उठना।

निम्न अनुच्छेद को पढकर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

भूकंप आने का वैज्ञानिक कारण यह है कि पृथ्वी के नीचे चट्टानों के दबाव के रूप में भारी मात्रा में ऊर्जा के अचानक बाहर की ओर निर्गम के कारण भूकंप आता है। इसमें चट्टानों की अचानक हलचल के कारण पृथ्वी की बाहय सतह में बहुत तेज कंपन होता है। भूकंप की विनाश-क्षमता इसके विस्तार तथा इसकी अवधि पर निर्भर है। भूकंप की तीव्रता को भूकंपमापक यंत्र द्वारा मापा जाता है। भू-गर्भ में जिस स्थान से भूकंप की तरंगें उत्पन्न होती हैं उसे नाभि कहते हैं। नाभि के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर स्थित बिन्दु को अधिकेन्द्र कहते हैं। अधिकतम विनाश अधिकेन्द्र के क्षेत्र में होता है क्योंकि यही वह क्षेत्र है जहाँ भूकंप की तरंगें सर्वाधिक सक्रिय होती हैं। अधिकेन्द्र से जैसे-जैसे हम दूर होते जाएंगे, वैसे-वैसे इसकी तरंगों की प्रगाढ़ता भी घटती जाएगी। इसी प्रकार दूर हटते जाने से विनाश की मात्रा व गंभीरता भी घटती जाएगी।

भूकंप का वैज्ञानिक कारण क्या है?

A)चट्टानों के दबाव के कारण ऊर्जा का अचानक बाहर निकलना।
B)चट्टानों का टूटना।
C)चट्टानों में दरार पड़ना।
D)चट्टानों में तरंगे उठना।

Answer Key : A

Question No. 87

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढकर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

भूकंप आने का वैज्ञानिक कारण यह है कि पृथ्वी के नीचे चट्टानों के दबाव के रूप में भारी मात्रा में ऊर्जा के अचानक बाहर की ओर निर्गम के कारण भूकंप आता है। इसमें चट्टानों की अचानक हलचल के कारण पृथ्वी की बाह्य सतह में बहुत तेज कंपन होता है। भूकंप की विनाश-क्षमता इसके विस्तार तथा इसकी अवधि पर निर्भर है। भूकंप की तीव्रता को भूकंपमापक यंत्र द्वारा मापा जाता है। भू-गर्भ में जिस स्थान से भूकंप की तरंगें उत्पन्न होती हैं उसे नाभि कहते हैं। नाभि के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर स्थित बिन्दु को अधिकेन्द्र कहते हैं। अधिकतम विनाश अधिकेन्द्र के क्षेत्र में होता है क्योंकि यही वह क्षेत्र है जहाँ भूकंप की तरंगें सर्वाधिक सक्रिय होती हैं। अधिकेन्द्र से जैसे-जैसे हम दूर होते जाएंगे, वैसे-वैसे इसकी तरंगों की प्रगाढ़ता भी घटती जाएगी। इसी प्रकार दूर हटते जाने से विनाश की मात्रा व गंभीरता भी घटती जाएगी।

भूकंप की विनाश क्षमता किस पर निर्भर है?

A)भूकंप के विस्तार पर
B)भूकंप की अवधि पर
C)भूकंप के विस्तार और भूकंप की अवधि, दोनों पर
D)भूकंप के कारण पर

निम्न अनुच्छेद को पढकर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

भूकंप आने का वैज्ञानिक कारण यह है कि पृथ्वी के नीचे चट्टानों के दबाव के रूप में भारी मात्रा में ऊर्जा के अचानक बाहर की ओर निर्गम के कारण भूकंप आता है। इसमें चट्टानों की अचानक हलचल के कारण पृथ्वी की बाहय सतह में बहुत तेज कंपन होता है। भूकंप की विनाश-क्षमता इसके विस्तार तथा इसकी अवधि पर निर्भर है। भूकंप की तीव्रता को भूकंपमापक यंत्र द्वारा मापा जाता है। भू-गर्भ में जिस स्थान से भूकंप की तरंगें उत्पन्न होती हैं उसे नाभि कहते हैं। नाभि के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर स्थित बिन्दु को अधिकेन्द्र कहते हैं। अधिकतम विनाश अधिकेन्द्र के क्षेत्र में होता है क्योंकि यही वह क्षेत्र है जहाँ भूकंप की तरंगें सर्वाधिक सक्रिय होती हैं। अधिकेन्द्र से जैसे-जैसे हम दूर होते जाएंगे, वैसे-वैसे इसकी तरंगों की प्रगाढ़ता भी घटती जाएगी। इसी प्रकार दूर हटते जाने से विनाश की मात्रा व गंभीरता भी घटती जाएगी।

भूकंप की विनाश क्षमता किस पर निर्भर है?

A)भूकंप के विस्तार पर
B)भूकंप की अवधि पर
C)भूकंप के विस्तार और भूकंप की अवधि, दोनों पर
D)भूकंप के कारण पर

Answer Key : C

Question No. 88

निम्न अनुच्छेद को पढकर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

भूकंप आने का वैज्ञानिक कारण यह है कि पृथ्वी के नीचे चट्टानों के दबाव के रूप में भारी मात्रा में ऊर्जा के अचानक बाहर की ओर निर्गम के कारण भूकंप आता है। इसमें चट्टानों की अचानक हलचल के कारण पृथ्वी की बाह्य सतह में बहुत तेज कंपन होता है। भूकंप की विनाश-क्षमता इसके विस्तार तथा इसकी अवधि पर निर्भर है। भूकंप की तीव्रता को भूकंपमापक यंत्र द्वारा मापा जाता है। भू-गर्भ में जिस स्थान से भूकंप की तरंगें उत्पन्न होती हैं उसे नाभि कहते हैं। नाभि के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर स्थित बिन्दु को अधिकेन्द्र कहते हैं। अधिकतम विनाश अधिकेन्द्र के क्षेत्र में होता है क्योंकि यही वह क्षेत्र है जहाँ भूकंप की तरंगें सर्वाधिक सक्रिय होती हैं। अधिकेन्द्र से जैसे-जैसे हम दूर होते जाएंगे, वैसे-वैसे इसकी तरंगों की प्रगाढ़ता भी घटती जाएगी। इसी प्रकार दूर हटते जाने से विनाश की मात्रा व गंभीरता भी घटती जाएगी।

नाभि किसे कहते हैं?

A)जहाँ से भूकंप की तरंगें उठती हैं।
B)जहाँ चट्टान में दरार पड़ती है।
C)जहाँ भूकंप की तरंगें समाप्त होती हैं।
D)चट्टान की ऊपरी सतह को।

निम्न अनुच्छेद को पढकर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

भूकंप आने का वैज्ञानिक कारण यह है कि पृथ्वी के नीचे चट्टानों के दबाव के रूप में भारी मात्रा में ऊर्जा के अचानक बाहर की ओर निर्गम के कारण भूकंप आता है। इसमें चट्टानों की अचानक हलचल के कारण पृथ्वी की बाहय सतह में बहुत तेज कंपन होता है। भूकंप की विनाश-क्षमता इसके विस्तार तथा इसकी अवधि पर निर्भर है। भूकंप की तीव्रता को भूकंपमापक यंत्र द्वारा मापा जाता है। भू-गर्भ में जिस स्थान से भूकंप की तरंगें उत्पन्न होती हैं उसे नाभि कहते हैं। नाभि के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर स्थित बिन्दु को अधिकेन्द्र कहते हैं। अधिकतम विनाश अधिकेन्द्र के क्षेत्र में होता है क्योंकि यही वह क्षेत्र है जहाँ भूकंप की तरंगें सर्वाधिक सक्रिय होती हैं। अधिकेन्द्र से जैसे-जैसे हम दूर होते जाएंगे, वैसे-वैसे इसकी तरंगों की प्रगाढ़ता भी घटती जाएगी। इसी प्रकार दूर हटते जाने से विनाश की मात्रा व गंभीरता भी घटती जाएगी।

नाभि किसे कहते हैं?

Teachingninja.in

A)जहाँ से भूकंप की तरंगें उठती हैं।

B)जहाँ चट्टान में दरार पड़ती है।

C)जहाँ भूकंप की तरंगें समाप्त होती हैं।

D)चट्टान की ऊपरी सतह को।

Answer Key : A

Question No. 89

निम्न अनुच्छेद को पढकर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

भूकंप आने का वैज्ञानिक कारण यह है कि पृथ्वी के नीचे चट्टानों के दबाव के रूप में भारी मात्रा में ऊर्जा के अचानक बाहर की ओर निर्गम के कारण भूकंप आता है। इसमें चट्टानों की अचानक हलचल के कारण पृथ्वी की बाह्य सतह में बहुत तेज कंपन होता है। भूकंप की विनाश-क्षमता इसके विस्तार तथा इसकी अवधि पर निर्भर है। भूकंप की तीव्रता को भूकंपमापक यंत्र द्वारा मापा जाता है। भू-गर्भ में जिस स्थान से भूकंप की तरंगें उत्पन्न होती हैं उसे नाभि कहते हैं। नाभि के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर स्थित बिन्दु को अधिकेन्द्र कहते हैं। अधिकतम विनाश अधिकेन्द्र के क्षेत्र में होता है क्योंकि यही वह क्षेत्र है जहाँ भूकंप की तरंगें सर्वाधिक सक्रिय होती हैं। अधिकेन्द्र से जैसे-जैसे हम दूर होते जाएंगे, वैसे-वैसे इसकी तरंगों की प्रगाढ़ता भी घटती जाएगी। इसी प्रकार दूर हटते जाने से विनाश की मात्रा व गंभीरता भी घटती जाएगी।

अधिकतम विनाश कहाँ होता है?

A)अधिकेन्द्र के क्षेत्र में

B)नाभि के पास

C)नाभि से दूर

D)विकल्पों में से कोई नहीं

निम्न अनुच्छेद को पढकर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

भूकंप आने का वैज्ञानिक कारण यह है कि पृथ्वी के नीचे चट्टानों के दबाव के रूप में भारी मात्रा में ऊर्जा के अचानक बाहर की ओर निर्गम के कारण भूकंप आता है। इसमें चट्टानों की अचानक हलचल के कारण पृथ्वी की बाह्य सतह में बहुत तेज कंपन होता है। भूकंप की विनाश-क्षमता इसके विस्तार तथा इसकी अवधि पर निर्भर है। भूकंप की तीव्रता को भूकंपमापक यंत्र द्वारा मापा जाता है। भू-गर्भ में जिस स्थान से भूकंप की तरंगें उत्पन्न होती हैं उसे नाभि कहते हैं। नाभि के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर स्थित बिन्दु को अधिकेन्द्र कहते हैं। अधिकतम विनाश अधिकेन्द्र के क्षेत्र में होता है क्योंकि यही वह क्षेत्र है जहाँ भूकंप की तरंगें सर्वाधिक सक्रिय होती हैं। अधिकेन्द्र से जैसे-जैसे हम दूर होते जाएंगे, वैसे-वैसे इसकी तरंगों की प्रगाढ़ता भी घटती जाएगी। इसी प्रकार दूर हटते जाने से विनाश की मात्रा व गंभीरता भी घटती जाएगी।

अधिकतम विनाश कहाँ होता है?

A)अधिकेन्द्र के क्षेत्र में

B)नाभि के पास

C)नाभि से दूर

D)विकल्पों में से कोई नहीं

Answer Key : A

Question No. 90

निम्न अनुच्छेद को पढकर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

भूकंप आने का वैज्ञानिक कारण यह है कि पृथ्वी के नीचे चट्टानों के दबाव के रूप में भारी मात्रा में ऊर्जा के अचानक बाहर की ओर निर्गम के कारण भूकंप आता है। इसमें चट्टानों की अचानक हलचल के कारण पृथ्वी की बाह्य सतह में बहुत तेज कंपन होता है। भूकंप की विनाश-क्षमता इसके विस्तार तथा इसकी अवधि पर निर्भर है। भूकंप की तीव्रता को भूकंपमापक यंत्र द्वारा मापा जाता है। भू-गर्भ में जिस स्थान से भूकंप की तरंगें उत्पन्न होती हैं उसे नाभि कहते हैं। नाभि के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर स्थित बिन्दु को अधिकेन्द्र कहते हैं। अधिकतम विनाश अधिकेन्द्र के क्षेत्र में होता है क्योंकि यही वह क्षेत्र है जहाँ भूकंप की तरंगें सर्वाधिक सक्रिय होती हैं। अधिकेन्द्र से जैसे-जैसे हम दूर होते जाएंगे, वैसे-वैसे इसकी तरंगों की प्रगाढ़ता भी घटती जाएगी। इसी प्रकार दूर हटते जाने से विनाश की मात्रा व गंभीरता भी घटती जाएगी।

न्यूनतम विनाश कहाँ होता है?

A)अधिकेन्द्र के पास

B)अधिकेन्द्र से अधिकतम दूरी पर

C)नाभि के पास

D)नाभि से दूर

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढकर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर दीजिए।

भूकंप आने का वैज्ञानिक कारण यह है कि पृथ्वी के नीचे चट्टानों के दबाव के रूप में भारी मात्रा में ऊर्जा के अचानक बाहर की ओर निर्गम के कारण भूकंप आता है। इसमें चट्टानों की अचानक हलचल के कारण पृथ्वी की बाह्य सतह में बहुत तेज कंपन होता है। भूकंप की विनाश-क्षमता इसके विस्तार तथा इसकी अवधि पर निर्भर है। भूकंप की तीव्रता को भूकंपमापक यंत्र द्वारा मापा जाता है। भू-गर्भ में जिस स्थान से भूकंप की तरंगें उत्पन्न होती हैं उसे नाभि कहते हैं। नाभि के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर स्थित बिन्दु को अधिकेन्द्र कहते हैं। अधिकतम विनाश अधिकेन्द्र के क्षेत्र में होता है क्योंकि यही वह क्षेत्र है जहाँ भूकंप की तरंगें सर्वाधिक सक्रिय होती हैं। अधिकेन्द्र से जैसे-जैसे हम दूर होते जाएंगे, वैसे-वैसे इसकी तरंगों की प्रगाढ़ता भी घटती जाएगी। इसी प्रकार दूर हटते जाने से विनाश की मात्रा व गंभीरता भी घटती जाएगी।

न्यूनतम विनाश कहाँ होता है?

A)अधिकेन्द्र के पास

B)अधिकेन्द्र से अधिकतम दूरी पर

C)नाभि के पास

D)नाभि से दूर

Answer Key : B

Question No. 91

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

उन्नति और सफलता का मूल मंत्र, अभ्यास है। सफलता के लिए किया गया परिश्रम अभ्यास में ही फलित होता है। एक बार किया हुआ श्रम मनवांछित फल नहीं देता। बार-बार के अभ्यास से ही फल सिद्धि होती है। चाहे निर्माण कार्य हो, कला कौशल हो, या किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो, अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। यहाँ तक कि प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो, वह आगे नहीं बढ़ सकता। किसी भी रचना में परिपक्कता, अभ्यास से ही आती है। अभ्यास के बल पर एकलव्य प्रखर धनुर्धर, कालीदास, वाल्मीकि और तुलसीदास - महाकवि, बोपदेव - संस्कृत के समर्थ वैयाकरण, अमिताभ बच्चन - सदी के महान एक्टर और कपिलदेव - सदी के महान क्रिकेटर सिद्ध हुए। निरंतर अभ्यास जीवन में साधना का एक रूप है जिसका सुख, साधक को स्वतः मिलता है।

सफलता का मूल मंत्र क्या है?

A)परिश्रम

B)अभ्यास

C)समयबद्धता

D)इच्छाशक्ति

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

उन्नति और सफलता का मूल मंत्र, अभ्यास है। सफलता के लिए किया गया परिश्रम अभ्यास में ही फलित होता है। एक बार किया हुआ श्रम मनवांछित फल नहीं देता। बार-बार के अभ्यास से ही फल सिद्धि होती है। चाहे निर्माण कार्य हो, कला कौशल हो, या किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो, अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। यहाँ तक कि प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो, वह आगे नहीं बढ़ सकता। किसी भी रचना में परिपक्वता, अभ्यास से ही आती है। अभ्यास के बल पर एकलव्य प्रखर धनुर्धर, कालीदास, वाल्मीकि और तुलसीदास - महाकवि, बोपदेव - संस्कृत के समर्थ वैयाकरण, अमिताभ बच्चन - सदी के महान एक्टर और कपिलदेव - सदी के महान क्रिकेटर सिद्ध हुए। निरंतर अभ्यास जीवन में साधना का एक रूप है जिसका सुख, साधक को स्वतः मिलता है।

सफलता का मूल मंत्र क्या है?

A)परिश्रम

B)अभ्यास

C)समयबद्धता

D)इच्छाशक्ति

Answer Key : B

Question No. 92

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

उन्नति और सफलता का मूल मंत्र, अभ्यास है। सफलता के लिए किया गया परिश्रम अभ्यास में ही फलित होता है। एक बार किया हुआ श्रम मनवांछित फल नहीं देता। बार-बार के अभ्यास से ही फल सिद्धि होती है। चाहे निर्माण कार्य हो, कला कौशल हो, या किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो, अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। यहाँ तक कि प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो, वह आगे नहीं बढ़ सकता। किसी भी रचना में परिपक्कता, अभ्यास से ही आती है। अभ्यास के बल पर एकलव्य प्रखर धनुर्धर, कालीदास, वाल्मीकि और तुलसीदास - महाकवि, बोपदेव - संस्कृत के समर्थ वैयाकरण, अमिताभ बच्चन - सदी के महान एक्टर और कपिलदेव - सदी के महान क्रिकेटर सिद्ध हुए। निरंतर अभ्यास जीवन में साधना का एक रूप है जिसका सुख, साधक को स्वतः मिलता है।

किसी भी कार्य में परिपक्कता कैसे आती है?

A)अभ्यास से
B)चाह से
C)इच्छा से
D)काम के प्रति रुचि से

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

उन्नति और सफलता का मूल मंत्र, अभ्यास है। सफलता के लिए किया गया परिश्रम अभ्यास में ही फलित होता है। एक बार किया हुआ श्रम मनवांछित फल नहीं देता। बार-बार के अभ्यास से ही फल सिद्धि होती है। चाहे निर्माण कार्य हो, कला कौशल हो, या किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो, अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। यहाँ तक कि प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो, वह आगे नहीं बढ़ सकता। किसी भी रचना में परिपक्वता, अभ्यास से ही आती है। अभ्यास के बल पर एकलव्य प्रखर धनुर्धर, कालीदास, वाल्मीकि और तुलसीदास - महाकवि, बोपदेव - संस्कृत के समर्थ वैयाकरण, अमिताभ बच्चन - सदी के महान एक्टर और कपिलदेव - सदी के महान क्रिकेटर सिद्ध हुए। निरंतर अभ्यास जीवन में साधना का एक रूप है जिसका सुख, साधक को स्वतः मिलता है।

किसी भी कार्य में परिपक्वता कैसे आती है?

A)अभ्यास से
B)चाह से
C)इच्छा से
D)काम के प्रति रुचि से

Answer Key : A

Question No. 93

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

उन्नति और सफलता का मूल मंत्र, अभ्यास है। सफलता के लिए किया गया परिश्रम अभ्यास में ही फलित होता है। एक बार किया हुआ श्रम मनवांछित फल नहीं देता। बार-बार के अभ्यास से ही फल सिद्धि होती है। चाहे निर्माण कार्य हो, कला कौशल हो, या किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो, अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। यहाँ तक कि प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो, वह आगे नहीं बढ़ सकता। किसी भी रचना में परिपक्कता, अभ्यास से ही आती है। अभ्यास के बल पर एकलव्य प्रखर धनुर्धर, कालीदास, वाल्मीकि और तुलसीदास - महाकवि, बोपदेव - संस्कृत के समर्थ वैयाकरण, अमिताभ बच्चन - सदी के महान एक्टर और कपिलदेव - सदी के महान क्रिकेटर सिद्ध हुए। निरंतर अभ्यास जीवन में साधना का एक रूप है जिसका सुख, साधक को स्वतः मिलता है।

अभ्यास के बल पर एकलव्य क्या बने?

A)अच्छे शिकारी
B)प्रखर धनुर्धर
C)निशानेबाज
D)अच्छे खिलाड़ी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

उन्नति और सफलता का मूल मंत्र, अभ्यास है। सफलता के लिए किया गया परिश्रम अभ्यास में ही फलित होता है। एक बार किया हुआ श्रम मनवांछित फल नहीं देता। बार-बार के अभ्यास से ही फल सिद्धि होती है। चाहे निर्माण कार्य हो, कला कौशल हो, या किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो, अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। यहाँ तक कि प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो, वह आगे नहीं बढ़ सकता। किसी भी रचना में परिपक्वता, अभ्यास से ही आती है। अभ्यास के बल पर एकलव्य प्रखर धनुर्धर, कालीदास, वाल्मीकि और तुलसीदास - महाकवि, बोपदेव - संस्कृत के समर्थ वैयाकरण, अमिताभ बच्चन - सदी के महान एक्टर और कपिलदेव - सदी के महान क्रिकेटर सिद्ध हुए। निरंतर अभ्यास जीवन में साधना का एक रूप है जिसका सुख, साधक को स्वतः मिलता है।

अभ्यास के बल पर एकलव्य क्या बने?

Teachingninja.in

A)अच्छे शिकारी

B)प्रखर धनुर्धर

C)निशानेबाज

D)अच्छे खिलाड़ी

Answer Key : B

Question No. 94

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

उन्नति और सफलता का मूल मंत्र, अभ्यास है। सफलता के लिए किया गया परिश्रम अभ्यास में ही फलित होता है। एक बार किया हुआ श्रम मनवांछित फल नहीं देता। बार-बार के अभ्यास से ही फल सिद्धि होती है। चाहे निर्माण कार्य हो, कला कौशल हो, या किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो, अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। यहाँ तक कि प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो, वह आगे नहीं बढ़ सकता। किसी भी रचना में परिपक्वता, अभ्यास से ही आती है। अभ्यास के बल पर एकलव्य प्रखर धनुर्धर, कालीदास, वाल्मीकि और तुलसीदास - महाकवि, बोपदेव - संस्कृत के समर्थ वैयाकरण, अमिताभ बच्चन - सदी के महान एक्टर और कपिलदेव - सदी के महान क्रिकेटर सिद्ध हुए। निरंतर अभ्यास जीवन में साधना का एक रूप है जिसका सुख, साधक को स्वतः मिलता है।

अभ्यास किसका रूप है?

A)साधना

B)शक्ति

C)शौर्य

D)ज्ञान

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

उन्नति और सफलता का मूल मंत्र, अभ्यास है। सफलता के लिए किया गया परिश्रम अभ्यास में ही फलित होता है। एक बार किया हुआ श्रम मनवांछित फल नहीं देता। बार-बार के अभ्यास से ही फल सिद्धि होती है। चाहे निर्माण कार्य हो, कला कौशल हो, या किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो, अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। यहाँ तक कि प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो, वह आगे नहीं बढ़ सकता। किसी भी रचना में परिपक्वता, अभ्यास से ही आती है। अभ्यास के बल पर एकलव्य प्रखर धनुर्धर, कालीदास, वाल्मीकि और तुलसीदास - महाकवि, बोपदेव - संस्कृत के समर्थ वैयाकरण, अमिताभ बच्चन - सदी के महान एक्टर और कपिलदेव - सदी के महान क्रिकेटर सिद्ध हुए। निरंतर अभ्यास जीवन में साधना का एक रूप है जिसका सुख, साधक को स्वतः मिलता है।

अभ्यास किसका रूप है?

A)साधना

B)शक्ति

C)शौर्य

D)ज्ञान

Answer Key : A

Question No. 95

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

उन्नति और सफलता का मूल मंत्र, अभ्यास है। सफलता के लिए किया गया परिश्रम अभ्यास में ही फलित होता है। एक बार किया हुआ श्रम मनवांछित फल नहीं देता। बार-बार के अभ्यास से ही फल सिद्धि होती है। चाहे निर्माण कार्य हो, कला कौशल हो, या किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो, अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। यहाँ तक कि प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो, वह आगे नहीं बढ़ सकता। किसी भी रचना में परिपक्वता, अभ्यास से ही आती है। अभ्यास के बल पर एकलव्य प्रखर धनुर्धर, कालीदास, वाल्मीकि और तुलसीदास - महाकवि, बोपदेव - संस्कृत के समर्थ वैयाकरण, अमिताभ बच्चन - सदी के महान एक्टर और कपिलदेव - सदी के महान क्रिकेटर सिद्ध हुए। निरंतर अभ्यास जीवन में साधना का एक रूप है जिसका सुख, साधक को स्वतः मिलता है।

वैयाकरण किसे कहते हैं?

A)इतिहास का ज्ञाता

B)वैज्ञानिक को

C)जिसे व्याकरण का ज्ञान हो

D)मनोवैज्ञानिक

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

उन्नति और सफलता का मूल मंत्र, अभ्यास है। सफलता के लिए किया गया परिश्रम अभ्यास में ही फलित होता है। एक बार किया हुआ श्रम मनवांछित फल नहीं देता। बार-बार के अभ्यास से ही फल सिद्धि होती है। चाहे निर्माण कार्य हो, कला कौशल हो, या किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो, अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। यहाँ तक कि प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो, वह आगे नहीं बढ़ सकता। किसी भी रचना में परिपक्वता, अभ्यास से ही आती है। अभ्यास के बल पर एकलव्य प्रखर धनुर्धर, कालीदास, वाल्मीकि और तुलसीदास - महाकवि, बोपदेव - संस्कृत के समर्थ वैयाकरण, अमिताभ बच्चन - सदी के महान एक्टर और कपिलदेव - सदी के महान क्रिकेटर सिद्ध हुए। निरंतर अभ्यास जीवन में साधना का एक रूप है जिसका सुख, साधक को स्वतः मिलता है।

वैयाकरण किसे कहते हैं?

A)इतिहास का ज्ञाता

B)वैज्ञानिक को

C)जिसे व्याकरण का ज्ञान हो

D)मनोवैज्ञानिक

Answer Key : C

Question No. 96

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

सभी धर्म-संप्रदाय, मत और मजहब मानव मात्र को ईश्वर-आस्था, समस्त प्राणियों के प्रति स्नेह भाव, उपकार, स्वार्थ-त्याग और आपसी प्रेमभाव की शिक्षा देते हैं। किसी भी धर्म में घृणा, हिंसा, बैर, द्वेष आदि का पाठ नहीं पढ़ाया गया है। सभी मनुष्य परमात्मा की संतान हैं और इसी कारण धर्म संप्रदाय से परे मानवता के एक सूत्र में बंधे हैं। इस मूल बात को कुछ लोग भूलकर धर्म के मिथ्या उन्माद में बहक जाते हैं। और एक दूसरे के मजहब को नीचा दिखाने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे वही लोग करते हैं, जो धर्म के सच्चे स्वरूप को नहीं समझते हैं। वास्तव में मनुष्य का अहंकार ही इस धार्मिक उन्माद का कारण बनता है। हमारी उपासना और पूजा-पाठ के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, हम अपने आराध्य देव को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं पर ये सभी उस परमात्मा तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न मार्ग हैं, मंजिल तो एक ही है। धर्म तो जोड़ता है, कभी तोड़ता नहीं है।

धर्म किसकी शिक्षा देते हैं?

A)प्राणियों के प्रति स्नेह भाव

B)उपकार

C)स्वार्थ-त्याग

D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

सभी धर्म-संप्रदाय, मत और मजहब मानव मात्र को ईश्वर-आस्था, समस्त प्राणियों के प्रति स्नेह भाव, उपकार, स्वार्थ-त्याग और आपसी प्रेमभाव की शिक्षा देते हैं। किसी भी धर्म में घृणा, हिंसा, बैर, द्वेष आदि का पाठ नहीं पढ़ाया गया है। सभी मनुष्य परमात्मा की संतान हैं और इसी कारण धर्म संप्रदाय से परे मानवता के एक सूत्र में बंधे हैं। इस मूल बात को कुछ लोग भूलकर धर्म के मिथ्या उन्माद में बहक जाते हैं। और एक दूसरे के मजहब को नीचा दिखाने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे वही लोग करते हैं, जो धर्म के सच्चे स्वरूप को नहीं समझते हैं। वास्तव में मनुष्य का अहंकार ही इस धार्मिक उन्माद का कारण बनता है। हमारी उपासना और पूजा-पाठ के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, हम अपने आराध्य देव को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं पर ये सभी उस परमात्मा तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न मार्ग हैं, मंजिल तो एक ही है। धर्म तो जोड़ता है, कभी तोड़ता नहीं है।

धर्म किसकी शिक्षा देते हैं?

A)प्राणियों के प्रति स्नेह भाव

B)उपकार

C)स्वार्थ-त्याग

D)विकल्पों में से सभी

Answer Key : D

Question No. 97

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।
सभी धर्म-संप्रदाय, मत और मजहब मानव मात्र को ईश्वर-आस्था, समस्त प्राणियों के प्रति स्नेह भाव, उपकार, स्वार्थ-त्याग और आपसी प्रेमभाव की शिक्षा देते हैं। किसी भी धर्म में घृणा, हिंसा, बैर, द्वेष आदि का पाठ नहीं पढ़ाया गया है। सभी मनुष्य परमात्मा की संतान हैं और इसी कारण धर्म संप्रदाय से परे मानवता के एक सूत्र में बंधे हैं। इस मूल बात को कुछ लोग भूलकर धर्म के मिथ्या उन्माद में बहक जाते हैं। और एक दूसरे के मजहब को नीचा दिखाने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे वही लोग करते हैं, जो धर्म के सच्चे स्वरूप को नहीं समझते हैं। वास्तव में मनुष्य का अहंकार ही इस धार्मिक उन्माद का कारण बनता है। हमारी उपासना और पूजा-पाठ के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, हम अपने आराध्य देव को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं पर ये सभी उस परमात्मा तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न मार्ग हैं, मंजिल तो एक ही है। धर्म तो जोड़ता है, कभी तोड़ता नहीं है।
मानव किस सूत्र से बंधा है?

A)प्रेम

B)नफ़रत

C)दया

D)मानवता के सूत्र में

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।
सभी धर्म-संप्रदाय, मत और मजहब मानव मात्र को ईश्वर-आस्था, समस्त प्राणियों के प्रति स्नेह भाव, उपकार, स्वार्थ-त्याग और आपसी प्रेमभाव की शिक्षा देते हैं। किसी भी धर्म में घृणा, हिंसा, बैर, द्वेष आदि का पाठ नहीं पढ़ाया गया है। सभी मनुष्य परमात्मा की संतान हैं और इसी कारण धर्म संप्रदाय से परे मानवता के एक सूत्र में बंधे हैं। इस मूल बात को कुछ लोग भूलकर धर्म के मिथ्या उन्माद में बहक जाते हैं। और एक दूसरे के मजहब को नीचा दिखाने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे वही लोग करते हैं, जो धर्म के सच्चे स्वरूप को नहीं समझते हैं। वास्तव में मनुष्य का अहंकार ही इस धार्मिक उन्माद का कारण बनता है। हमारी उपासना और पूजा-पाठ के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, हम अपने आराध्य देव को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं पर ये सभी उस परमात्मा तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न मार्ग हैं, मंजिल तो एक ही है। धर्म तो जोड़ता है, कभी तोड़ता नहीं है।
मानव किस सूत्र से बंधा है?

A)प्रेम

B)नफ़रत

C)दया

D)मानवता के सूत्र में

Answer Key : D

Question No. 98

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।
सभी धर्म-संप्रदाय, मत और मजहब मानव मात्र को ईश्वर-आस्था, समस्त प्राणियों के प्रति स्नेह भाव, उपकार, स्वार्थ-त्याग और आपसी प्रेमभाव की शिक्षा देते हैं। किसी भी धर्म में घृणा, हिंसा, बैर, द्वेष आदि का पाठ नहीं पढ़ाया गया है। सभी मनुष्य परमात्मा की संतान हैं और इसी कारण धर्म संप्रदाय से परे मानवता के एक सूत्र में बंधे हैं। इस मूल बात को कुछ लोग भूलकर धर्म के मिथ्या उन्माद में बहक जाते हैं। और एक दूसरे के मजहब को नीचा दिखाने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे वही लोग करते हैं, जो धर्म के सच्चे स्वरूप को नहीं समझते हैं। वास्तव में मनुष्य का अहंकार ही इस धार्मिक उन्माद का कारण बनता है। हमारी उपासना और पूजा-पाठ के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, हम अपने आराध्य देव को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं पर ये सभी उस परमात्मा तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न मार्ग हैं, मंजिल तो एक ही है। धर्म तो जोड़ता है, कभी तोड़ता नहीं है।
धार्मिक उन्माद का क्या कारण है?

A)मानव का धन

B)मानव का बल

C)मानव का अहंकार

D)विकल्पों में से कोई नहीं

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

सभी धर्म-संप्रदाय, मत और मजहब मानव मात्र को ईश्वर-आस्था, समस्त प्राणियों के प्रति स्नेह भाव, उपकार, स्वार्थ-त्याग और आपसी प्रेमभाव की शिक्षा देते हैं। किसी भी धर्म में घृणा, हिंसा, बैर, द्वेष आदि का पाठ नहीं पढ़ाया गया है। सभी मनुष्य परमात्मा की संतान हैं और इसी कारण धर्म संप्रदाय से परे मानवता के एक सूत्र में बंधे हैं। इस मूल बात को कुछ लोग भूलकर धर्म के मिथ्या उन्माद में बहक जाते हैं। और एक दूसरे के मजहब को नीचा दिखाने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे वही लोग करते हैं, जो धर्म के सच्चे स्वरूप को नहीं समझते हैं। वास्तव में मनुष्य का अहंकार ही इस धार्मिक उन्माद का कारण बनता है। हमारी उपासना और पूजा-पाठ के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, हम अपने आराध्य देव को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं पर ये सभी उस परमात्मा तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न मार्ग हैं, मंजिल तो एक ही है। धर्म तो जोड़ता है, कभी तोड़ता नहीं है।

धार्मिक उन्माद का क्या कारण है?

A)मानव का धन

B)मानव का बल

C)मानव का अहंकार

D)विकल्पों में से कोई नहीं

Answer Key : C

Question No. 99

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

सभी धर्म-संप्रदाय, मत और मजहब मानव मात्र को ईश्वर-आस्था, समस्त प्राणियों के प्रति स्नेह भाव, उपकार, स्वार्थ-त्याग और आपसी प्रेमभाव की शिक्षा देते हैं। किसी भी धर्म में घृणा, हिंसा, बैर, द्वेष आदि का पाठ नहीं पढ़ाया गया है। सभी मनुष्य परमात्मा की संतान हैं और इसी कारण धर्म संप्रदाय से परे मानवता के एक सूत्र में बंधे हैं। इस मूल बात को कुछ लोग भूलकर धर्म के मिथ्या उन्माद में बहक जाते हैं। और एक दूसरे के मजहब को नीचा दिखाने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे वही लोग करते हैं, जो धर्म के सच्चे स्वरूप को नहीं समझते हैं। वास्तव में मनुष्य का अहंकार ही इस धार्मिक उन्माद का कारण बनता है। हमारी उपासना और पूजा-पाठ के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, हम अपने आराध्य देव को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं पर ये सभी उस परमात्मा तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न मार्ग हैं, मंजिल तो एक ही है। धर्म तो जोड़ता है, कभी तोड़ता नहीं है।

सभी धर्म किसका पाठ नहीं पढ़ाते हैं?

A)घृणा

B)हिंसा

C)बैर-द्वेष

D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।

सभी धर्म-संप्रदाय, मत और मजहब मानव मात्र को ईश्वर-आस्था, समस्त प्राणियों के प्रति स्नेह भाव, उपकार, स्वार्थ-त्याग और आपसी प्रेमभाव की शिक्षा देते हैं। किसी भी धर्म में घृणा, हिंसा, बैर, द्वेष आदि का पाठ नहीं पढ़ाया गया है। सभी मनुष्य परमात्मा की संतान हैं और इसी कारण धर्म संप्रदाय से परे मानवता के एक सूत्र में बंधे हैं। इस मूल बात को कुछ लोग भूलकर धर्म के मिथ्या उन्माद में बहक जाते हैं। और एक दूसरे के मजहब को नीचा दिखाने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे वही लोग करते हैं, जो धर्म के सच्चे स्वरूप को नहीं समझते हैं। वास्तव में मनुष्य का अहंकार ही इस धार्मिक उन्माद का कारण बनता है। हमारी उपासना और पूजा-पाठ के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, हम अपने आराध्य देव को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं पर ये सभी उस परमात्मा तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न मार्ग हैं, मंजिल तो एक ही है। धर्म तो जोड़ता है, कभी तोड़ता नहीं है।

सभी धर्म किसका पाठ नहीं पढ़ाते हैं?

A)घृणा

B)हिंसा

C)बैर-द्वेष

D)विकल्पों में से सभी

Answer Key : D

Question No. 100

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।
सभी धर्म-संप्रदाय, मत और मजहब मानव मात्र को ईश्वर-आस्था, समस्त प्राणियों के प्रति स्नेह भाव, उपकार, स्वार्थ-त्याग और आपसी प्रेमभाव की शिक्षा देते हैं। किसी भी धर्म में घृणा, हिंसा, बैर, द्वेष आदि का पाठ नहीं पढ़ाया गया है। सभी मनुष्य परमात्मा की संतान हैं और इसी कारण धर्म संप्रदाय से परे मानवता के एक सूत्र में बंधे हैं। इस मूल बात को कुछ लोग भूलकर धर्म के मिथ्या उन्माद में बहक जाते हैं। और एक दूसरे के मजहब को नीचा दिखाने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे वही लोग करते हैं, जो धर्म के सच्चे स्वरूप को नहीं समझते हैं। वास्तव में मनुष्य का अहंकार ही इस धार्मिक उन्माद का कारण बनता है। हमारी उपासना और पूजा-पाठ के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, हम अपने आराध्य देव को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं पर ये सभी उस परमात्मा तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न मार्ग हैं, मंजिल तो एक ही है। धर्म तो जोड़ता है, कभी तोड़ता नहीं है।
धर्म का प्रधान उद्देश्य क्या है?

A)लोगों की एकता नष्ट करना
B)धार्मिक भेद-भाव फैलाना
C)सभी मानव को जोड़ना
D)नफरत पैदा करना

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए।
सभी धर्म-संप्रदाय, मत और मजहब मानव मात्र को ईश्वर-आस्था, समस्त प्राणियों के प्रति स्नेह भाव, उपकार, स्वार्थ-त्याग और आपसी प्रेमभाव की शिक्षा देते हैं। किसी भी धर्म में घृणा, हिंसा, बैर, द्वेष आदि का पाठ नहीं पढ़ाया गया है। सभी मनुष्य परमात्मा की संतान हैं और इसी कारण धर्म संप्रदाय से परे मानवता के एक सूत्र में बंधे हैं। इस मूल बात को कुछ लोग भूलकर धर्म के मिथ्या उन्माद में बहक जाते हैं। और एक दूसरे के मजहब को नीचा दिखाने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे वही लोग करते हैं, जो धर्म के सच्चे स्वरूप को नहीं समझते हैं। वास्तव में मनुष्य का अहंकार ही इस धार्मिक उन्माद का कारण बनता है। हमारी उपासना और पूजा-पाठ के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, हम अपने आराध्य देव को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं पर ये सभी उस परमात्मा तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न मार्ग हैं, मंजिल तो एक ही है। धर्म तो जोड़ता है, कभी तोड़ता नहीं है।
धर्म का प्रधान उद्देश्य क्या है?

A)लोगों की एकता नष्ट करना
B)धार्मिक भेद-भाव फैलाना
C)सभी मानव को जोड़ना
D)नफरत पैदा करना

Answer Key : C

Teachingninja.in